उद्यमिता का प्रेरणा स्रोत बनेगा एकेयू इन्क्यूबेशन सेंटर

पटना. स्टार्टअप से युवा न सिर्फ अपना कैरियर बना सकते हैं, बल्कि समाज में भी व्यापक परिवर्तन ला सकते हैं. समाज की आवश्यकता को समझते हुए और युवाओं के सपनों को पूरा करने में मदद के लिए आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय का इन्क्यूबेशन सेंटर पूरी क्षमता के साथ काम करेगा. ये बातें आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शरद कुमार यादव ने एकेयू इन्क्यूबेशन सेंटर के विकास के संदर्भ में आयोजित बैठक के दौरान कहीं. बैठक में सीआइएमपी के मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी कुमोद कुमार, एकेयू इनक्यूबेशन सेंटर की नोडल पदाधिकारी और एसजेएमसी की सहायक प्राध्यापक डॉ मनीषा प्रकाश, डीन मैनेजमेंट टीचिंग डॉ रुपेश सहित सभी स्कूलों के प्रभारी मौजूद रहे.

Parbhat Khabar ! Page No =09 ! Date - 22-01-2025 !

सीआईएमपी : कार्यशाला में समावेशी और सतत विकास की रणनीतियों पर जोर

पटना। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) में बिहार सरकार की योजना और विकास विभाग के सहयोग से मंगलवार को 'बिहार विजन दस्तावेज के निर्माण पर हितधारकों कां परांमर्श' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में चार पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला नीति आयोग के राज्य सहायता मिशन के तहत आयोजित की गई थी। उद्घाटन सत्र की शुरुआत सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह के स्वागत भाषण से हुआ। सीआईएमपी के एसोसिएट प्रोफेसर अंकित शर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए समावेशी और सतत विकास रणनीतियों पर जोर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. रेखा कुमारी, निदेशक, उच्च शिक्षा, बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने विजन दस्तावेज में कौशल विकास, सांस्तिक मूल्य, और नैतिकता को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया जिससे समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सके। सत्र का समापन गणमान्य व्यक्तियों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित करने के साथ हुआ।

Rashtriya Sahara ! Page No - 04 ! Date - 22-01-2025 !

बिहार विजन दस्तावेज के निर्माण पर हितधारकों की परामर्श कार्यशाला आयोजित

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना ने बिहार सरकार के योजना और विकास विभाग के सहयोग से मंगलवार को बिहार विज़न दस्तावेज़ के निर्माण पर हितधारकों का परामर्श कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला नीति आयोग के राज्य सहायता मिशन के तहत आयोजित की गई थी। उद्घाटन सत्र की शुरुआत सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने गणमान्य व्यक्तियों, हितधारकों और प्रतिभागियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। सीआईएमपी के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. अंकित शर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए समावेशी और सतत विकास रणनीतियों पर जोर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, प्रो. (डॉ.) रेखा कुमारी, निदेशक, उच्च शिक्षा, बिहार सरकार के शिक्षा विभाग, ने विज़न दस्तावेज़ में कौशल विकास, सांस्कृतिक मूल्य, और नैतिकता को

शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सके। सत्र का समापन गणमान्य व्यक्तियों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित करने के साथ हुआ। प्रो. (डॉ.) सुरेश कांत वर्मा, कुलपति, बिहार इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पटना, ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन प्रौद्योगिकी, और साइबर सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को बिहार की स्थिरता के लिए आवश्यक बताया। प्रो. (डॉ.) जवार सिंह, प्रोफेसर, आईआईटी पटना, ने 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश और बिहार में क्वांटम कंप्यूटिंग संस्थान की स्थापना का प्रस्ताव दिया। डॉ. जनार्दन सिंह, पूर्व प्रधान कृषि वैज्ञानिक, ने कृषि में वित्तीय निवेश और स्मार्ट प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पियूष त्रिपाठी (मैनेजर, क्लाइमेट कम्युनिकेशंस, डब्ल्यूआरआई इंडिया) और रोशन मिश्रा (कार्यक्रम सहयोगी, डब्ल्यूआरआई इंडिया) ने सतत विकास के लिए रणनीतियों और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने पर चर्चा की। के.पी.एस. केशरी, अध्यक्ष, बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, ने 'मेक इन बिहार' विज़न को बढ़ावा देते हुए राज्य को एक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला का समापन समापन भाषण के साथ हुआ, जिसमें बिहार विज़न दस्तावेज़ के निर्माण के लिए निरंतर सहयोग और भविष्य की राह पर जोर दिया गया। इसके बाद प्रतिभागियों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

Aaj ! Page No - 08 ! Date - 22-01-2025 !

CIMP organized stakeholders' consultation workshop

Our Correspondent

Patna: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), in association with Department of Planning and Development, Government of Bihar, organized Stakeholders' Consultation Workshop on the Formation of Bihar Vision Document on Tuesday. This workshop was organized under State Support Mission (SSM) of NITI Aayog. The inaugural session commenced with a welcome address by Prof. (Dr.) Rana Singh, Director, CIMP, who expressed gratitude to the dignitaries, stakeholders, and participants for their valuable contributions. Prof. Ankit Sharma, Associate Professor, CIMP, outlined the workshop's objectives, emphasizing inclusive and sustainable development strategies.

Chief Guest Prof. (Dr.) Rekha Kumari, Director of Higher Education, Education Department, Government of Bihar, highlighted the need to integrate skill development, cultural values, and ethics into the vision document to ensure holistic progress. The session concluded with a token of appreciation to the dignitaries, recognizing their insightful contributions.

The workshop featured four-panel discussions. The first panel discussion of the workshop focused on the theme Emerging Technologies and Educational Transformation: Shaping the Future of Bihar,

Second-panel focused on the theme named Agriculture and Environmental Sustainability for Viksit Bihar@2047. Dr. Janardan Singh, former Principal Agriculture Scientist, emphasized the need for increased financial investment in agriculture and the adoption of smart practices.

Third panel focused on the theme Healthy Bihar: Empowering Women and Children for a Developed Bihar, Dr. Satyajit Kumar Singh, Managing Director, Ruban Group of Hospital and Senior Urologist, Patna, emphasized that health encompasses mental, spiritual, and physical well-being, highlighted the urgent need for more doctors and nurses in Bihar to meet the growing healthcare demands and improve healthcare delivery across the state. Dr. S. Reddy, Health Specialist at UNICEF Bihar emphasized strengthening primary healthcare and community processes to achieve Viksit Bihar by 2047. Dr. Papia Raj, Associate Professor at the Indian Institute of Technology Patna, emphasized the importance of health as a key driver for development.

Morning India ! Page No - 03 ! Date - 22-01-2025 !

विजन दस्तावेज में कौशल विकास और मूल्य पर बल

जासं, पटना : चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना में योजना और विकास विभाग के सहयोग से मंगलवार को कार्यशाला आयोजित की गई। निदेशक प्रो. राणा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. रेखा कुमारी ने कहा कि विजन दस्तावेज में कौशल विकास, सांस्कृतिक मूल्य और नैतिकता को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

Dainik Jagran !
Page No - 04 !
Date - 22-01-2025 !

सीआईएमपीः कौशल विकास और नैतिकता से ही होगा समग्र विकास

पटना|सीआईएमपी पटना ने बिहार सरकार की योजना और विकास विभाग के सहयोग से मंगलवार को बिहार विजन दस्तावेज़ के निर्माण पर हितधारकों का परामर्श कार्यशाला हुई। यह नीति आयोग के राज्य सहायता मिशन के तहत हुई। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह ने समावेशी और सतत विकास रणनीतियों पर जोर दिया। शिक्षा विभाग के उच्च शिक्षा की निदेशक प्रो. डॉ. रेखा कुमारी ने विजन दस्तावेज़ में कौशल विकास, सांस्कृतिक मूल्य, और नैतिकता को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सके। चार पैनल चर्चाएं हुईं जिनमें उभरती प्रौद्योगिकी और शैक्षिक परिवर्तन-बिहार के भविष्य का निर्माण, कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता-विकसित बिहार@2047,स्वस्थ बिहार-महिलाओं और बच्चों के सशक्तीकरण से विकास और बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास-समृद्ध बिहार का निर्माण शामिल थे।

Dainik Bhaskar! Page No- 06 !
Date-22-01-2025 !

बिहार के विकास में सभी की सहभागिता जरूरी

पटना। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) ने बिहार सरकार के योजना और विकास विभाग के सहयोग से मंगलवार को बिहार विजन दस्तावेज के निर्माण पर हितधारकों का परामर्श कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला नीति आयोग के राज्य सहायता मिशन के तहत आयोजित की गई। निदेशक प्रो राणा ने कार्यशाला के उद्देश्यों को समावेशी और सतत विकास रणनीतियों पर जोर दिया। उच्च शिक्षा की निदेशक प्रो रेखा कुमारी ने विजन दस्तावेज में कौशल विकास, सांस्कृतिक मूल्य, और नैतिकता को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

Hindustan ! Page No - 06 ! Date - 22-01-2025 !